समुद्र का बढ़ता जलस्तर और तुवालू द्वीप

सरोत: द हिंदू

हाल के दिनों में, 11,000 निवासियों वाला **प्रशांत महासागर में स्थित तुवालू, समुद्र के बढ़ते जलस्तर** के कारण गंभीर रूप से **खतरे का सामना कर रहा है।**

- नासा के वैज्ञानिकों का अनुमान है कि वर्ष 2050 तक तुवालू के मुख्य एटोल, **फुनाफुटी** का आधा हिस्सा रोज़ाना आने वाले ज्वार के कारण पानी में डूब जाएगा।
- **समुद्र का खारा पानी जमीन में मिल जाने से वहाँ की फसलें खराब हो रही हैं** तथा भोजन के लिये वहाँ के लोग **वर्षा जल टैंकों और केंद्रीय उद्यान पर निर्भर रहने को मज़बूर** हो गए है।
    - तुवालू **2100 तक प्रभाव को टालने** के लिये **समुद्री दीवारों का निर्माण** तथा **कृत्रिम भूमि का विस्तार** कर रहा है।
- ऑस्ट्रेलिया के साथ वर्ष 2023 **की जलवायु और सुरक्षा संधि प्रतिवर्ष 280** तुवालूवासियों के लिये प्रवास मार्ग प्रदान करती है।
- राजस्व की हानि और **अवैध मत्स्य संग्रहण** से चिंतित **तुवालू** चाहता है कि **संयुक्त राष्ट्र** उसकी संप्रभुता एवं समुद्री सीमाओं को मान्यता प्रदान करे, भले ही वे जलमग्न हों।
    - **वह संयुक्त राष्ट्र** और **प्रशांत द्वीप समूह फोरम** से कानूनी आश्वासन चाहता है।
- **तुवालू:**
    - यह **पश्चिम-मध्य प्रशांत महासागर में, हवाई** और **ऑस्ट्रेलिया के बीच में स्थित है।**
    - इसकी राजधानी **फुनाफुटी है,** तथा इसके उत्तर में **किरिबाती** और **नौरू/नाउरू तथा** दक्षिण में **फिजी इसका निकटतम पड़ोसी द्वीप है।**
    - इसमें 3 मुख्य द्वीप समूह **नानुमंगा (Nanumanga), निउताओ (Niutao) और निउलकिता (Niulakita)** तथा 6 **प्रवाल द्वीप** (जैसे **फुनाफुटी, नानूमिया (Nanumea), नुई (Nui)** के साथ-साथ 100 से अधिक छोटे द्वीप शामिल हैं।

और पढ़ें: प्रशांत द्वीप राष्ट्रों के लिये ऋण सहायता।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tuvalu-s-fight-against-rising-sea-levels